वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 76 | बुधवार 10 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने 'यूथ फॉर नेशन' की राजस्थान इकाई का उद्घाटन किया

देश की सुरक्षा, शासन और कल्याण में युवाओं की भागीदारी बढ़े, युवा राष्ट्र के नवनिर्माण के संवाहक बनें: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है किसंविधान सर्वोच्च है। यह हमें अधिकार देता है तो कर्तव्य पालन की सीख से भी जोड़ताहै। उन्होंने 'यूथ फॉर नेशन' संगठनसे संविधान-संस्कृति के आलोक में राष्ट्र के नव निर्माण का संवाहक बनने का आह्वानकिया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और देश की सुरक्षा, शासन और कल्याण में युवाओं को संकल्पबद्ध होकरभागीदारी बढ़ानी चाहिए। मिश्र मंगलवारको महात्मा गांधी मेडिकल साइंस एण्ड टेक्नोलोजी यूनिवर्सिटी सभागार में 'यूथ फॉर नेशन' संगठनकी राजस्थान इकाई के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा किराजस्थान में इस संगठन की शुरूआत से यहां के युवाओं को बेहतर ढंग से नियोजित करउनकी ऊर्जा का राष्ट्र निर्माण में इस्तेमाल किया जा सकेगा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादीढांचे में युवाओं को महती भूमिका निभाने के साथ 'विकसितभारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए भी कार्य करने कीआवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि भारत एक जीवंत और सहभागी संघीय लोकतंत्र के रूपमें तभी अधिक सुदृढ हो सकेगा, जब युवा राष्ट्र केलिए समर्पित भाव से काम करेंगें। उन्होंने लोकतंत्र के सशक्तिकरण में युवाओं कोआगे आकर पहल करने तथा अधिकारों के साथ संविधान प्रदत्त कर्तव्यों के प्रति भी सजगरहने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कियह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत की सकल राष्ट्रीय

आय-जीडीपी में लगभग 34 प्रतिशत योगदान युवाओं का है। उन्होंने कहा कि इसवर्ग की भागीदारी सकल राष्ट्रीय आय और उत्पादकता बढ़ाने में और कैसे बढ़े, इस पर हमें विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंनेकहा कि युवा पीढ़ी समाज की वर्तमान स्थिति को नवीनीकृत और ताजा बनाए रखने के साथराष्ट्र के संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा किभारत में लगभग 260 मिलियन युवा हैं। इनमें पुरुष और महिलाएं दोनोंशामिल हैं। लगभग 10 से 12 मिलियनयुवा हर साल कार्य करने के योग्य होकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करने के योग्यहो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है- राष्ट्रीय आर्थिक विकास में युवाओं कीबहुत बड़ी संभावनाएं निहित है। उन्होंने 'यूथफॉर नेशन' जैसे संगठनों को आगे आकर राष्ट्र के सर्वांगीणविकास के लिए नियोजित ढंग से युवाओं को कार्य करने के लिए प्रेरित किए जाने पर जोरदिया। 'यूथफॉर नेशन' के अध्यक्ष पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ.एस. पी.माथुर ने संगठन से जुड़े उद्देश्यों और भविष्य के कार्यों के बारे में जानकारी दी। मिश्र ने आरंभमें 'यूथ फॉर नेशन' संगठनके राजस्थान चेप्टर का उद्घाटन करते हुए युवाओं को संविधान की उद्देशिका और मूलकर्तव्यों का वाचन करवाया।

विद्या समय वाटिका का शुभारंभ

अजमेर. शाबाश इंडिया

ग्रीन अजमेर के संदर्भ में आज सिविल लाइन स्थित श्री शांतिनाथ जिनालय पर जैन धर्म के 24 तीर्थंकर के नाम पर 24 फलदार वृक्ष लगाए गए एवं एक वाटिका का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रकाश जैन ने बताया कि भारतीय जैन मिलन आदिनाथ अजमेर के तत्वावधान में यह कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधीश महोदय डॉक्टर भारती दीक्षित व देवेंद्र बिश्नोई पुलिस अधीक्षक रहे। आपके द्वारा दिगंबर जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परंपरा के अनुसार आचार्य समय सागर जी महाराज के नाम से विद्या समय वाटिका का शुभारंभ जैन समाज के सभी संस्थाओं व पंचायत के पदाधिकारी के समक्ष रखा गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथि सम्मान के साथ विद्या समय वाटिका का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। लगभग 50 वृक्ष लगाए गए एवं वाटिका को सौंदर्यता प्रदान करने के लिए दूसरे पौधे भी आरोपित किए गए इस अवसर पर डॉ भारती दीक्षित ने समाज की पदाधिकारी को संबोधित करते हुए तरु अजमेर जिसमें लगभग 10 लाख पौधों में वृक्षारोपण किया जा रहा है हरित अजमेर बनाने के लिए उसके बारे में जानकारी देते हुए जैन समाज के प्रतिनिधियों को पेड़ लगाने के बारे में जानकारी देते हुए एक पोर्टल बनाया गया है तारु अजमेर का उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी।श्देवेंद्र जी बिश्नोई ने अपने अनुभव शेयर किया और वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया सभी जैन धर्म लंबियों ने जिला प्रशासन को आश्वस्त किया की जैन समाज इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा डॉ भारती दीक्षित का आभार व्यक्त किया की पहली बार अजमेर में जिला प्रशासन के द्वारा इतनी अनूठी पहल की गई है जिलाधीश डॉ भारती दीक्षित का श्रीमती अजय साधना धन रसिया सविता धनकर्षीय दृष्टि धनघशिया के द्वारा माल्यार्पण तिलक कर अभिनंदन किया गया। देवेंद्र बिश्नोई साहब का प्रकाश जैन अनिमेष जैन अजय जैन विजय जैन के द्वारा माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। जैन समाज के दिनेश पाटनी विजय पालीवाल सुनील दिलावरी प्रकाश गंगवाल राजकुमार जैन सुनील जैन मदनलाल बाफना विजय पोखरण सुनील छाजेड़ सुनील खटोड़ प्रभात सेठी वीरेंद्र नेताजी अजय दोषी राजेंद्र पाटनी अभय जैन श्रीमती मधु जैन शैल जैन विनय गढ़िया मुकेश जैन सहित कई अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स का गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन नई दिल्ली से हुआ प्रारंभ

ब्यावर यूनिक शाखा के सदस्यों का सक्रिय प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल एपेक्स सेवा के क्षेत्र में 50वें स्वर्णिम वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। पीड़ित मानवता की सेवा में उल्लेखनीय योगदान एवं सहभागिता दर्ज कराने हेतु तत्पर इस अंतरराष्ट्रीय संगठन के स्वर्ण जयंती के अवसर पर देश की राजधानी नई दिल्ली के जोरावर ऑडिटोरियम में ग्रांट सेलिब्रशन के साथ प्रारंभ हुआ। इसके अन्तर्गत वर्ष पर्यन्त अनेक सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने टक्अ के द्वारा संचालित विविध सेवाकार्यों की सराहना की एवं इसे मानव कल्याण के लिए आवश्यक बताया एवं मानव सेवा से जुड़े इस अंतरराष्ट्रीय संगठन के 50 स्वर्णिम वर्ष में प्रवेश करना एक बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. बलराम भार्गव(पूर्व डायरेक्टर जनरल क्ळटफ) एवं डॉ. अशोक अग्रवाल(प्रसिडेंट इंटनेशनल वैश्य फेडरेशन), पदम्श्री डॉ. डी. आर.मेहता, श्री एम.के.सिंघी (डायरेक्टर डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड) आदि थे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण एक लघु नाटिका की प्रस्तुति..आंनद के पल हमारे साथ..सन्न-2150 इस प्रस्तुति ने जमकर दाद बटोरी। इस कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल ब्यावर यूनिक के पूर्व चेयरमेन वीर डॉ. नरेंद्र पारख,वीरा शशि पारख, महावीर इंटरनेशनल ब्यावर के चेयरमेन वीर दीपचंद कोठारी, गवर्निंग कॉन्सिल मेम्बर धनपत राज श्री श्रीमाल, वीर महेन्द्र सिंह सांखला, वीर चंदूलाल कोठारी, वीरा शोभा कोठारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय पदाधिकारियों, सदस्यों ने शिरकत की।

महावीर इंटरनेशनल के स्वर्ण जयंती शुभारंभ पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह सम्पन्न

समाज सेवा के क्षेत्र में ऐसी संस्थाएं बहुत कम हैं जो अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे करती हैं और इस स्तर पर अपने आप को स्थापित कर पाती हैं: महामहिम निवर्तमान राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल के स्वर्ण जयंती शुभारंभ पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह 7 जुलाई को मानेकशॉ सेंटर में सम्पन्न हुआ। महावीर इंटरनेशनल के मीडिया एवं पब्लिसिटी के निदेशक वीर समदरिया फतेह चंद ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में महामहिम निवर्तमान राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो संस्थाएं सेवा भाव से आगे बढ़ती है उनको किसी भी प्रकार की राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थितियाँ प्रभावित नहीं कर पाती, ऐसी संस्थाओं का एक मात्र उद्देश्य मानव सेवा, समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग देना ही होता है। महावीर इंटरनेशनल का पचास वर्षों का यह सफर अपने आप में एक अद्वितीय उपलब्धि है, उन्होंने संस्था के सभी वीर-वीराओं को बधाई प्रेषित की। संस्था की सेवा गतिविधियों एवं संगठन संरचना से प्रभावित होकर उन्होंने संस्था से जुड़ने का प्रस्ताव रखा - अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन ने संस्था की लेपल पिन लगाकर श्री कोविंद जी को सदस्यता प्रदान की। समारोह के विशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. अशोक अग्रवाल, प्रेसिडेंट इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन एवं मेंबर सेंट्रल पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड, भारत सरकार तथा डॉ. बलराम भार्गव, डायरेक्टर जनरल (से.नि.) क्ठटफ थे। दीपप्रज्जवलन एवं प्रार्थना के बाद स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर केक का प्रस्तुतीकरण, महावीर इंटरनेशनल वर्चुअल सेंटर-मिसरी एवं स्वर्ण जयंती "Logo" का लोकार्पण कर शुभारंभ किया। अन्तर्राष्ट्रीय महासचिव वीर अशोक गोयल ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया एवं अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सीए अनिल जैन ने कार्यक्रम की थीम और विजन साझा किया। महामहिम निवर्तमान राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद की गरिमामय उपस्थिति में विशिष्ठ अतिथि डॉ. अशोक अग्रवाल तथा डॉ. बलराम भार्गव द्वारा संस्था द्वारा प्रकाशित एवं वीर सपन कुमार

वर्धन द्वारा रचित बुक "The essence within decoding the purpose of existence" का विमोचन किया। विशिष्ट अतिथियों के द्वारा जयपुर फुट (बीएमवीएसएस), श्रीमती अनिला कोठारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भगवान महावीर कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, जयपुर, श्री अमोद कुमार कांथ, संस्थापक महासचिव ''प्रयास जेएसी सोसायटी'' एवं श्री देवेन्द्र गुप्ता, संस्थापक लाडली फाउंडेशन को समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र में संस्था के पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर रणजीत सिंह कुमट, आईएएस (से.नि.), वीर शांति लाल कवाड़, वीर विजय सिंह बापना एवं वीर शांति कुमार जैन, आईपीएस (से.नि.) मंचासीन रहे समारोह के तृतीय सत्र में ''भारत के सामाजिक क्षेत्र में एनजीओ के भविष्य'' पर दो चरणों में पैनल चर्चा हुई, इन पैनल चर्चा में - श्री राजेश तिवारी, महानिदेशक भारतीय सीएसआर केंद्र, श्री अमोद कुमार कांथ, प्रयास जेएसी सोसाइटी के संस्थापक महासचिव, श्री उदय शंकर सिंह, सीईओ, विश्व युवक केंद्र, श्री सुदर्शन सुचि, सीईओ, बाल रक्षा भारत, सुश्री अनुपमा दत्ता, प्रमुख नीति अनुसंधान और वकालत, हेल्पेज इंडिया, डॉ. हरीश वशिष्ठ, ईडी, क्रेडिबिलिटी एलायंस, सीए अंजनी के. शर्मा, सह-संस्थापक और निदेशक सागा, श्री हर्ष जेटली, सीईओ, वाणी, श्री देवेंद्र गुप्ता, संस्थापक, लाडली फाउंडेशन ने इस चर्चा में सहभागिता की। कार्यक्रम के समारोह गौरव के रूप में श्री महेंद्र सिंघी, डायरेक्टर व एडवाइजर, डालमिया सीमेंट भारत लि. उपस्थित रहे। लंच उपरांत अंतिम सत्र में संस्था के महावीर इंटरनेशनल डायमंड पैट्रन फेलो एवं महावीर इंटरनेशनल गोल्ड फेलो सदस्यों का सम्मान किया गया। आनंद के पल हमारे संग सन-2150 पर्यावरण संरक्षण पर शॉर्ट प्ले का मंचन श्री अनिल शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। अंत में अन्तर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वीर सुधीर जैन द्वारा आभार प्रकट किया गया।

वेद ज्ञान

स्वार्थी की दुर्गति निश्चित है

परमात्मा से सदैव यह प्रार्थना करो कि हे परमात्मा! मेरे जीवन का ये फूल सदैव जीवनरूपी पेड़ की डाली पर लगा हुआ महकता रहे, खुद प्रसन्न रहे और खुशी लुटाता रहे, यह खिला रहे व सबको खिलाता रहे, चहुंओर सुगन्ध लुटाता रहे। डाली पर हंसते मुस्कुराते हुए एवं लोगों को सुख पहुंचाते हुए ये झड़ जाए, प्रभु! इस पर आपकी ऐसी कृपा हो जाए। आपसे हमारी विनती है कि यह जीवन-पुष्प सड़े नहीं, गले नहीं, बिखरे नहीं। हंसते-मुस्कुराते हुए सभी को अपनी खुशबू लुटाते हुए इसकी पत्तियां झड़ भी जाएं, जीवन की सांस रुक भी जाय, यह सांसें बिखर भी जाएं, तो भी कोई चिन्ता की बात नहीं। बस! इतना कर देना कि अन्त तक मेरे जीवन-पुष्प की खुशबू हवा में फैलती रहे, मेरे चिन्तन, आचरण, व्यवहार और कर्मों की सुवास का लाभ मेरी अन्तिम सांस तक सर्वसाधारण को मिलता रहे। बन्धुओं, सदैव कामना करना कि परमात्मा आपको इस लायक बनाए रखे कि आपके द्वारा लोगों की सेवा होती रहे। यहां एक बात आपसे अवश्य कहूंगा कि कृत-सेवा से कभी किसी फल की कामना और आशा मत करना। हमेशा यह कामना करना कि मैं दूसरों को तो दूं, पर लेने के लिए कभी किसी के सामने हाथ आगे न फैलाऊं। आप कहना, हे भगवान! इस दुनिया में मैं दाता बनकर जीवित रहूं, याचक बनकर, भिखारी बनकर कभी न जिऊं। प्रभु से प्रार्थना करना कि मेरे परमात्मा, ये मेरी आंखें जब तक इस संसार में रहें, तेरी लीला देख देखकर प्रसन्नता का अनुभव करती रहें। किसी के ऐब देखने में, किसी का ऐश्वर्य देखकर जलने में मेरी आंखें कभी भी व्यवहार में न आएं। मेरे कान सदैव तेरी महिमा सुनने के लिए उत्सुक हों। दूसरों की निन्दा में मेरी रुचि कभी भी न हो। ईश्वर से विनती करना कि यह वाणी तेरी महिमा के गीत गाएं, तेरी महिमा में लगे हुए बन्दों की प्रशंसा करें, लेकिन कभी किसी की निन्दा न करें तथा किसी के बढ़ते हुए कदमों को रोकने की कोशिश न करें। इस हृदय में अगर धड़कन रहे, तो तेरे प्यार की हिलोरें उठें। मेरा हृदय कत्तई संकुचित न हो, संकीर्णता मुझे छू भी न पाए, इतनी विशालता मेरे हृदय में भर देना। मैं सारा संसार इसमें समेट लूं, सबके लिए मेरा हृदय खुला रहे।

संपादकीय

मॉस्को में प्रधानमंत्री मोदी

तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद अपने पहले द्विपक्षीय विदेश दौरे के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस को चुना। पिछले दो कार्यकालों में उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए पड़ोसी देशों को चुना था। जाहिर है, साल 2014 और 2019 के मुकाबले आज की वैश्विक चुनौतियां काफी अलग हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने जहां तमाम देशों की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को प्रभावित किया है, तो वहीं हमास-इजरायल जंग ने

एक अलग किस्म की मानवीय चुनौती पेश की है। ऐसे में, इस यात्रा के जरिये प्रधानमंत्री ने क्रेमलिन को यह संदेश देने की कोशिश की है कि भारत अपने भरोसेमंद मित्र देश का महत्व समझता है। रूस भी इस कदम की अहमियत से वाकिफ है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय के प्रवक्ता के बयान इसकी तस्दीक करते हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने प्रधानमंत्री मोदी के नई दिल्ली से उड़ान भरने से पहले ही कहा कि ''हम एक अति महत्वपूर्ण दौरे की आशा करते हैं, जो दोनों देशों के आपसी रिश्तों के लिहाज से काफी अहम होगा।'' भारत और रूस के शीर्ष नेतृत्व की आखिरी सालाना शिखर बैठक दिसंबर 2021 में हुई थी, तब राष्ट्रपति पुतिन नई दिल्ली आए थे। उसके बाद से शीर्ष स्तर पर दोनों नेताओं की बैठक नहीं हो सकी थी। हालांकि, दोनों देशों के संबंधों की ऊष्मा बनी रही। इसकी एक बानगी उस वक्त देखने को मिली, जब यूक्रेन पर आक्रमण करने के कारण रूस के खिलाफ तमाम प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने पश्चिमी रुख को नजरअंदाज करते हुए उससे तेल खरीदना जारी रखा, बल्कि उसने पहले से कहीं अधिक तेल आयात किया। इस तरह उसने अपने अरबों डॉलर बचाए हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री के मौजूदा दौरे ने पश्चिम को प्रकारांतर से यह संदेश दिया है कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है और अपने राष्ट्रीय हितों से संचालित है। गौर करने वाली बात यह है कि प्रधानमंत्री का मॉस्को दौरा उस समय हुआ है, जब रूस विरोधी नाटो समूह की अमेरिका में बैठक हो रही है। किसी एक देश की कीमत पर दूसरे से संबंधों में प्रगाढ़ता का भारत कभी हिमायती नहीं रहा। देर से ही सही, पश्चिम को यह बात अब समझ में आने लगी है। शायद यही कारण है कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते विगत दो दशकों में काफी सुधरे हैं और वाशिंगटन में भारत की जरूरतों की समझ भी बढ़ी है। जहां तक रूस का प्रश्न है, तो उसके साथ ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा-संस्कृति, पर्यटन आदि अनेक क्षेत्रों में भारत के गहरे संबंध हैं और बदली वैश्विक स्थितियों में उन पर नए सिरे से विमर्श जरूरी हैं। निस्संदेह, भारत प्रत्येक देश की संप्रभुता की शुचिता के बडे.पैरोकारों में से एक रहा है और इसीलिए यूक्रेन पर रूसी हमले का उसने कभी समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी कई मौकों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दे चुके हैं। मुमकिन है, राष्ट्रपति पुतिन से अनौपचारिक बातचीत में इस मौजूं पर उनकी बात हुई हो। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

उपभोक्ताओं का सशक्तीकरण

गत सप्ताह एक स्वागतयोग्य घटनाक्रम में भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने खाद्य संरक्षा एवं मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) नियमन 2020 को मंजूरी प्रदान कर दी। इसके तहत खाद्य पदार्थों में नमक, शक्कर और संतृप्त वसा (सैचुरेटेड फैट) के बारे में मोटे अक्षरों में जानकारी देनी होगी। ऐसा नहीं है कि पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में यह सूचना उपलब्ध नहीं है लेकिन यह अक्सर छोटे अक्षरों में दी जाती है जिसकी अक्सर अनदेखी हो जाती है। यह कदम उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस संशोधन से जुड़ी मसौदा अधिसूचना अंशधारकों के सुझावों और टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक पटल पर रखी जाएगी। प्राधिकरण यह देखना चाहता है कि अन्य अंशधारक मसलन कंपनियां प्रस्तावित संशोधन के क्रियान्वयन के बारे में क्या कहना चाहती हैं। यह कई वजहों से अहम है। भारत तेजी से विकसित हो रहा है और उसका शहरीकरण भी हो रहा है। ऐसे में कई वजहों से अधिक से अधिक संख्या में लोग पैकेटबंद भोजन को अपना रहे हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की सहज उपलब्धता के कारण बड़ी तादाद में बच्चे पैकेटबंद चीजों को खाते हैं जिससे उनके स्वास्थ्य को बड़ा खतरा उत्पन्न होता है। उदाहरण के लिए यूनिसेफ के वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2022 के मुताबिक 2030 तक भारत में 2.7 करोड़ से अधिक बच्चे मोटापे के शिकार होंगे। यह दुनिया के कुल मोटे बच्चों का करीब 10 फीसदी होगा। भारत में बड़ी तादाद में कुपोषित बच्चे हैं और इस बीच अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या भी बढ़ रही है। ऐसे में प्राधिकरण की यह अपेक्षा सही है कि जन स्वास्थ्य में सुधार के लिए इन बदलावों को लागू किया जाए। प्राधिकरण की इस बात के लिए सराहना की जानी चाहिए कि उसने इस दिशा में सक्रियता दिखाई है लेकिन केवल पोषण संबंधी सूचना को बड़े अक्षरों में लिखाना पर्याप्त उपयोगी नहीं होगा बल्कि उपभोक्ताओं को इसका अर्थ भी पता होना चाहिए। उन्हें यह जानकारी भी होनी चाहिए कि किस सीमा तक उपभोग करने से नुकसान शुरू हो जाता है। साफ कहा जाए तो कुल संतृप्त वसा, नमक और शक्कर के बारे में मोटे अक्षरों में जानकारी दिए जाने के बावजूद बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। केंद्र और राज्यों के स्तर पर जन स्वास्थ्य से जुड़े विभागों को यह सलाह दी जानी चाहिए कि वे जागरूकता फैलाने के लिए सार्वजनिक अभियान चलाएं। बेहतर खाद्य पदार्थों का चयन भी स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव कम करने का काम करेगा। एक अन्य मुद्दा पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नियमन की सख्ती का भी है। यहां खाद्य नियामक को अधिक सक्रियता दिखाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए भारतीयों को कुछ लोकप्रिय ब्रांड के मसालों में हानिकारक तत्त्वों के होने का पता तब चला जब उनका विदेशों में परीक्षण किया गया। इसका खुलासा एक विदेशी गैर सरकारी संगठन ने किया था कि एक लोकप्रिय बेबी फूड ब्रांड भारत जैसे विकासशील देशों में अतिरिक्त चीनी का इस्तेमाल कर रहा है। एक इंटरनेट इन्फ्लुएंसर के खुलासों के बाद ई-कॉमर्स वेबसाइटों को यह सलाह दी गई कि वे कुछ ब्रांडों को स्वास्थ्यवर्धक पेय की श्रेणी में रखकर न बेचें। ऐसे में यह अहम है कि खाद्य नियामक न केवल यह स्पष्ट करे कि विभिन्न तत्त्वों की मान्य सीमा क्या है बल्कि यह भी सुनिश्चित करे कि खाद्य क्षेत्र की सभी कंपनियां दिशानिर्देशों का पालन करें।

तार्किक पाठ्यक्रम समय की मांग

एनसीईआरटी कक्षा VI से XII तक की इतिहास, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव कर रहा है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली में शिक्षण सामग्री का संशोधन पाठ्यक्रम के लिए समान होना चाहिए। लेकिन भारत में स्कूली पाठ्यक्रम हमेशा नवीनतम शोध के साथ तालमेल बनाए रखते हैं। पक्षपातपूर्ण या संकीर्ण दृष्टिकोण से बचने के लिए स्वतंत्रता के बाद से, हमारी स्कूली पाठ्यपुस्तकें अक्सर कला, साहित्य, दर्शन, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास में भारत की प्रगति को मान्यता देने से बचती हैं। पहले की पाठ्यपुस्तकें भारतीय इतिहास के बारे में एक ऐसा दृष्टिकोण बनाती हैं जो विश्व की सभ्यता पर भारत के गहन प्रभाव को दबा देती है। इसके परिणामस्वरूप हमारी राष्ट्रीय पहचान और ऐतिहासिक कथा के बारे में एक विषम धारणा बनती है। स्कूली छात्रों को कम उम्र में ऐतिहासिक घटनाओं और संघर्षों की आक्रामकता के संपर्क में लाना उन्हें संकट में डाल सकता है। स्कूली पाठ्यक्रम में शिक्षा के अनुचित चरणों में ऐतिहासिक संघर्षों का परिचय, बच्चों के दिमाग में व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ की कमी की धारणा को अमर कर सकता है। एक संतुलित कथा बच्चों के दिमाग में दुश्मनी और पूर्वाग्रह पैदा करने के जोखिम को कम करती है। एकतरफा ऐतिहासिक तथ्य स्कूली बच्चों के बीच सामाजिक सामंजस्य और आपसी सम्मान में बाधा डालेंगे। सार्थक पाठ्यपुस्तक संशोधनों का विरोध एक पुरानी संकीर्ण वैचारिक विचार प्रक्रिया को दर्शाता है, जो भविष्य में ऐतिहासिक शिकायतों और शत्रुता को शाश्वत बनाता है। एक संतुलित, विश्वसनीय और भरोसेमंद ऐतिहासिक कथा, संघर्ष समाधान और आपसी सम्मान के सकारात्मक उदाहरणों को रेखांकित करती है। यह छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक उदाहरणों और सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करती है। स्कूली छात्रों को एक संतुलित इतिहास पढ़ाना जो संघर्ष-आधारित कथाओं को कम करता है, उन्हें भारत की विरासत के बारे में बेहतर जानकारी के साथ जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण नागरिक बनने में सक्षम बनाता है। ऐसी पाठ्यपुस्तकें बच्चों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक आधार बनाती हैं, जो भविष्य के आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए आवश्यक है। संतुलित कथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने का कोई भी प्रयास अंत नहीं बल्कि एक शुरूआत है। छात्रों को ऐसी संतुलित पाठ्यपुस्तकों से जो आधार मिलता है, वह उन्हें बाद के वर्षों में एक गहरी ऐतिहासिक समझ बनाने में मदद करेगा। स्कूली पाठ्यपुस्तकों को छात्रों की उभरती जरूरतों को पूरा करने में उत्तरदायी होने के लिए बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है। पाठ्यपुस्तकों में क्या पढ़ाया जाए और क्या न पढ़ाया जाए, इसकी चर्चा लगातार होती रही है, क्योंकि स्कूल की पाठ्यपुस्तकें ही वह माध्यम हैं, जिनके द्वारा सुविधाजनक विमर्श को आगे बढ़ाया जा सकता है। विवाद तब होता है, जब एक विमर्श आपके लिए सुविधाजनक होता है और दूसरे वर्ग के लिए असुविधाजनक। वर्तमान में इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में किए गए कुछ बदलावों से संबंधित विवाद को भी उसी संदर्भ में देखना चाहिए, जब एक वर्ग का सुविधाजनक दृष्टिकोण दूसरे वर्ग के विमर्श के अनुरूप नहीं होता है। देखा जाए तो इस प्रकार का विवाद पहली बार नहीं हुआ है। भारत के शैक्षणिक इतिहास में इस प्रकार के विवाद पहले भी होते रहे हैं। विश्व भर की शिक्षा व्यवस्थाएं अपने-अपने देश के पाठ्यक्रम को समझ और तार्किक दृष्टिकोण पर आधारित बनाना चाह रही हैं, वहीं हमारे देश में विवाद इस बात पर हो रहा है कि किस पक्ष का तथ्य सही है? यहां असुविधाजनक तथ्य को वृत्तांत की सहायता से सदैव छुपाने का प्रयास रहता है। इतिहास को न केवल तथ्यों से समझा जा सकता है और न केवल वृत्तांतों से। इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों का उचित मात्रा में समावेश हो, मगर हमारे देश में इतिहास लेखन की शैली में तथ्य और वृत्तांत का विभाजन काफी बारीक है। इस विषय के पुनरावलोकन की आवश्यकता है। जहां पूरे विश्व की शैक्षणिक व्यवस्थाएं अपने स्वरूप को बदल रही हैं और छात्रों को तथ्यों से भरने के बजाय उन्हें इतिहास आधारित दृष्टिकोण से युक्त करने पर जोर दे रही हैं, जिससे छात्रों में इतिहास के प्रति एक वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित हो सके। आज के तकनीकी दौर में इतिहास बोध होने पर छात्र स्वयं ही ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल कर सकता है। किसी देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि वह अपने छात्रों को तथ्य आधारित, वस्तुनिष्ठ पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराए, क्योंकि यही छात्र भविष्य के विमर्श को न केवल आगे बढ़ाते हैं, अपितु नए विमर्श की शुरूआत भी करते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इतिहास में एकपक्षीय दृष्टिकोण से आगे बढ़कर चिंतन और तार्किक पाठ्यक्रम का विकास किया जाए। एनसीईआरटी से अपेक्षा है कि वह वर्तमान विवाद से अप्रभावित रहते हुए छात्रों के ऐतिहासिक दृष्टिकोण के विकास से संबंधित पाठ्यक्रम का विकास करेगी, न कि तथ्यों के चयन में छात्रों को उलझाएगी। पाठ्यपुस्तकें किसी देश की सरकार द्वारा दिया गया आधिकारिक कथन होती हैं। इस रूप में ये वैचारिक या सैद्धांतिक परियोजना होती है। इतिहास और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का पुनरीक्षण वैसे भी अधिक संवेदनशील होता है। ये विषम समकालीन प्रासंगिकता के मुद्दों पर विचार करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं। उन्हें सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को इतिहास के पलड़े पर तौलकर, इतिहास और वर्तमान के बीच तार्किक सामंजस्य बनाना सिखाते है। इन पुस्तकों के माध्यम से विद्यार्थी देश-विदेश के सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर अपने विचार बनाने का प्रयत्न करता है। एनसीईआरटी की मूल पुस्तकों को इसी विचार के साथ रूप दिया गया था। कुल मिलाकर पाठ्यपुस्तकों से हटाई जाने वाली सामग्री, भारत के भूतकाल और वर्तमान की नकारात्मक धारणा पर आधारित है। यह मानसिकता कमजोर है, और केवल कुछ को हटाकर अपने इतिहास को बदलने का प्रयास करती है। इनके लिए भारतीय इतिहास के रचनात्मक, समावेशी, तार्किक, सुसंगत और विद्यार्थी अनुकूल संस्करण को लाना असंभव था, क्योंकि रचना में एक सकारात्मक गुण है, जिसे राजनीतिक ताकतें अक्सर कम आंकती हैं।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

सरावगी समाज ने किया पौधारोपण

पेड़ हमारे संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक हैं: अशोक कटारिया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। धरती को हरा भरा करने के संकल्प को लेकर पौधारोपण अभियान को लेकर सेठ छिगन लाल काला बपूई वाले जैन मंदिर में जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौला व राकेश संघी के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जोला व राकेश संघी ने बताया कि पौधारोपण अभियान से प्रेरित होकर दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज के तत्वाधान में मंगलवार को आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम के तहत प्रमुख उद्योगपति एवं प्रमुख समाजसेवी अशोक कुमार कटारिया ने जैन मंदिर परिसर में छायादार पौधे लगाए मुख्य अतिथि अशोक कटारिया श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज के लोगों को पौधारोपण अभियान से जुड़कर सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक पौधारोपण करने की शपथ दिलाई। कटारिया ने कहा कि पेड़ हमारी संस्कृति और सभ्यता के

प्रतीक है तथा तथा इंसान का जीवन पौधों प्रकृति पर्यावरण पर टिका है इसलिए हमें पौधारोपण अभियान में पूर्ण भागीदारी निभाकर पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करें। सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखर चंद काला ने कहा कि वर्तमान में बढ़ रहे वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन की रोकथाम में पेड़ जीवनदायी होने के साथ-साथ आक्सीजन प्रदान करना और दुषित गैसों को अवशोषित करने का कार्य करते हैं। बिचला जैन मंदिर के अध्यक्ष हेमचंद संघी ने कहा कि कम से कम एक पौधा हर शख्स को लगाना चाहिए पृथ्वी पर अधिक पेड़ पौधे होंगे तो हमारा वातावरण शुद्ध रहेगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जोला ने उपस्थित सभी लोगों से ज्यादा से ज्यादा मानसूनी सीजन में अपने घर खेत आसपास के सार्वजनिक स्थानों पर शहर के आसपास हरियाली को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होंने कहा कि शहर का हर बच्चा एक पौधा अवश्य लगे। जैन समाज के प्रवक्ता राकेश संघी ने आव्हान किया कि सभी को एक पेड़ मां के नाम लगाकर उसकी देखभाल करना चाहिए धरती मां हम सबके जीवन का आधार है इसलिए हमारा भी कर्तव्य हैं कि हम धरती मां का भी ध्यान रखें। इस दौरान अशोक बिलाला शिखर चंद काला हेमचंद संघी विमल जोला राकेश संघी त्रिलोक हर भगतपुरा अजीत काला रिंकू झाझरी ज्ञानचंद सोगानी पदम चंद टौगिया विमल सोगानी राजेश जोला डालू सोगानी महावीर छाबड़ा नरेश हतुना सहित अनेक लोग मौजूद थे।

दिगम्बर जैन महासमिति केन्द्रीय पदाधिकारी परिषद एवं आंचलिक पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति केन्द्रीय पदाधिकारी परिषद एवं अंचल पदाधिकारियों की दो सत्रीय संयुक्त बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक जैन बड़जात्या की अध्यक्षता में ढाई दीप जिनालय, गांधी नगर, एयरपोर्ट रोड, इन्दौर (म.प्र.) पर सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महासमिति गीत प्रस्तुत किया गया एवं मंगलाचरण व सामूहिक 9 बार णमोकार मंत्र के पाठ से बैठक का शुभारंभ किया गया। स्वागत भाषण राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार जैन बाकलीवाल ने दिया एवं विभिन्न प्रांतों से आए हुए प्रतिनिधियों का मध्यांचल पदाधिकारियों द्वारा तिलक व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या द्वारा विगत बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई जिसकी सभा द्वारा सर्वसम्मति से पुष्टि की गई। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गौरव जैन एडवोकेट, झांसी द्वारा आय-व्यय विवरण का वाचन किया गया जिसकी सभा द्वारा सवार्नुमति से पुष्टि की गई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री डी. के.जैन, इन्दौर ने सदस्यता अभियान एव ब्यौरा प्रस्तुत किया उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वह अपने-अपने अंचल में दौरा करें एवं सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक सदस्य बनाकर संगठन सुदृढ़ बनाए। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ. दीपक जैन, गुरूग्राम ने महासमिति केन्द्र स्तर किए गए कार्यों की जानकारी दी। सीसीबीएफ, धामरोड द्वारा गौवंशों की नीलामी पर रोक लगाई गई, नोहर तहसील गांव ढिलकी जाटान में जमीन से निकली 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की दो प्रतिमाएं जिला कलेक्टर द्वारा श्री गंगानगर समाज को सौंप दी गई। पेरिस, फ्रांस में जैन मूर्तियों के नबजनवद को रूकवाया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश जैन दिल्ली ने अधिक से अधिक युवाओं को महासमिति का सदस्य बनाने एवं महासमिति से मन्दिरों को जोड़ने तथा महासमिति की पुण्य निध योजना को पुनः चालू कर समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों एवं छात्र-छात्राओं को सहयोग करने का सुझाव दिया। पुण्य निधि योजना को चालू करने एवं महासमिति के प्रत्येक राष्ट्रीय व आंचलिक पदाधिकारियों को अपने जन्मदिन, सालगिरह व अन्य शुभ अवसरों पर वार्षिक रूप से सहयोग राशि पुण्य निधि योजना में सहयोग देने का प्रस्ताव रखा जिसे सभा द्वारा सवार्नुमति एवं करतल ध्वनि से पारित किया गया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गौरव जैन एडवोकेट, झांसी ने अपने वक्तव्य में जैन मन्दिरों को कैट लॉगिंग कर पुराने मन्दिरों की सुरक्षा करने, जैन श्रमण संस्कृति का गठन करने एवं पॉलिटिकल चेतना का गठन कर जैन प्रत्याशियों को मदद करने का सुझाव दिए। केंद्रांचल अध्यक्ष राकेश कुमार जैन, नई दिल्ली, राजस्थान अंचल अध्यक्ष, अनिल जैन रिटा.आईपीएस, जयपुर, महाराष्ट्र महिला अंचल अध्यक्ष वर्षा ताई जैन काले, अमरावती, महाराष्ट्र अंचल अध्यक्ष, डॉक्टर विजय जैन रोम, परतवाड़ा, हरियाणा अंचल प्रभारी अध्यक्ष सुनीता जैन, गुरूग्राम, राजस्थान महिला अंचल महामंत्री सुनीता जैन गंगवाल, जयपुर मध्यांचल अध्यक्ष जैनेश जैन झंझरी, मध्यांचल महिला महामंत्री सुनीता जैन पाटनी, इंदौर आदि ने अपने-अपने अंचल के कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत किए एवं भावी कार्यक्रमों की रूप-रेखा बताई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी, पवन जैन पार्षद, इन्दौर महाराष्ट्र महिला महामंत्री प्रणिता सुहास फुरसुले, कारंजा, राजस्थान महिला अध्यक्ष शकुन्तला जैन बिन्दायका, जयपुर आदि ने अपने-अपने कार्यों की जानकारी व सुझाव दिए। अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आगामी कार्यक्रम की रूप-रेखा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अशोक जैन बड़जात्या ने बताई। आपने कहा कि आप जैन समाज के लीडर्स हैं। आप जैसा आचरण करेंगे, निश्चित ही समाज के लोग वैसा ही आचरण करने लगेंगे। सामाजिक जैन समाज के लिए इससे अच्छा प्लेटफॉर्म मिलना दुर्लभ है। हम चाहते हैं जो हम निर्णय लें, कठिन ले, कठोर लें, उन्हें पालन करने की भी कोशिश करें। दिगम्बर जैन समाज की बड़ी समस्या है कि सरकार के सामने वह किसको रिप्रेजेंट करें? हम जैन संसद बनें, जैन संसद अर्थात दिगम्बर जैन समाज को रिप्रेजेंट करे, उसकी वॉइस है। उसके लिए मेंबरषिप भी होना चाहिए। हम अगर एक लाख सदस्य बनाते हैं तो सरकार हमारी बात सुन सकती है। हम उनसे सार्थक चर्चा कर सकते हैं। हम अपने तीर्थों के बचाव के लिए प्रभावी ढंग से अपनी बात रख सकते हैं। शासन के साथ-साथ सामाजिक मान्यता मिलनी चाहिए उसके लिए समाज में गतिविधियां होती रहनी चाहिए। महासमिति के प्रत्येक अंचल-प्रत्येक संभाग व प्रत्येक इकाई गतिविधयां करती रहे तो हमारी पैठ, हमारी पहचान समाज में रहेगी। श्री गिरनार जी पर कार्य योजना का विडियो प्रजेंतेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महासमिति दर्पण व सदस्यता फार्म का विमोचन एवं वेबसाईट का लोकार्पण किया गया। बैठक का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या, जयपुर द्वारा किया गया।

आयुर्वेद की तीन औषधियों का मिश्रण हमारे लिए 18 अमृत तुल्य फायदे देता है...

शाबाश इंडिया

अनेक बार रोगी उपचार हेतु एलोपैथिक चिकित्सक के पास जाता है. एलोपैथिक उपचार करवाने पर भी जब उसे स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं दिखता, वह आयुर्वेदिक उपचार की ओर मुडता है। जब तक वह आयुर्वेदिक उपचार की ओर मुडता है, रोग उसके शरीर में घर कर चुका होता है, और उन औषधियों पर अत्यधिक धन व्यय हो चुका होता है, साथ ही उसे उन औषधियों के दुष्प्रभाव भी झेलने पड़ते हैं। आयुर्वेदिक उपचार करवाने के उपरांत रोगी को रोग ठीक होने का भान होता है। तब वह यह विचार करने लगता है, कि अच्छा होता यदि मैं आरंभ से ही आयुर्वेदिक उपचार करवाता। इसलिए ऐसा ना हो तथा हानिकारक दुष्प्रभावों से बचने के लिए, रोग के आरंभ में ही आयुर्वेदिक उपचार करवाना आवश्यक है। इसीलिए हम आज यहाँ कुछ औषधियां बतायेंगे जिनके द्वारा आप कई बीमारियों इलाज कर सके। इन 3 औषधियों के मिश्रण को सेवन करने का सबसे अच्छा समय सर्दियों में है। आइए जानते हैं इसके बारे में...

इन 3 औषधियों की बहुत उपयोगी दवा बनाने के लिए आवश्यक सामग्री:

250 ग्राम मैथीदाना
100 ग्राम अजवाईन
50 ग्राम काली जीरी (ज्यादा जानकारी के लिए नीचे देखे)

तैयार करने का तरीका:

उपरोक्त तीनो चीजों को साफ-सुथरा करके हल्का-हल्का सेंकना(ज्यादा सेंकना नहीं) तीनों को अच्छी तरह मिक्स करके मिक्सर में पावडर बनाकर कांच की शीशी या बरनी में भर लेवें।

औषधि को सेवन करने का तरीका:

रात्रि को सोते समय एक चम्मच पावडर एक गिलास पूरा कुन-कुना पानी (हल्का गर्म) के साथ लेना है। गरम पानी के साथ ही लेना अत्यंत आवश्यक है लेने के बाद कुछ भी खाना पीना नहीं है। यह चूर्ण सभी उम्र के व्यक्ति ले सकतें है। चूर्ण रोज-रोज लेने से शरीर के कोने-कोने में जमा पडी गंदगी (कचरा) मल और पेशाब द्वारा बाहर निकल जाएगी । पूरा फायदा तो 80-90 दिन में महसूस करेगें, जब फालतू चरबी गल जाएगी, नया शुद्ध खून का संचार होगा। चमड़ी की झुर्रियाँ अपने आप दूर हो जाएगी। शरीर तेजस्वी, स्फूर्तिवाला व सुंदर बन जायेगा ।

इन 18 रोगों में फायदेमंद है:

गठिया दूर होगा और गठिया जैसा जिद्दी रोग दूर हो जायेगा।
हड्डियाँ मजबूत होगी।
आँखों की रोशनी बढ़ेगी।
बालों का विकास होगा।
पुरानी कब्जियत से हमेशा के लिए मुक्ति।
शरीर में खुन दौड़ने लगेगा।
कफ से मुक्ति।
हृदय की कार्य क्षमता बढ़ेगी।
थकान नहीं रहेगी, घोड़े की तहर दौड़ते जाएगें।
स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
स्त्री का शरीर शादी के बाद बेडोल की जगह सुंदर बनेगा।
कान का बहरापन दूर होगा।
भूतकाल में जो एलॉपेथी दवा का साईड इफेक्ट से मुक्त होगें।
खून में सफाई और शुद्धता बढ़ेगी।
शरीर की सभी खून की नलिकाएं शुद्ध हो जाएगी।
दांत मजबूत बनेगा, इनेमल जींवत रहेगा।
शारीरिक कमजोरी दूर तो मदार्ना ताकत बढ़ेगी।
डायबिटिज काबू में रहेगी, डायबिटीज की जो दवा लेते है वह चालू रखना है। इस चूर्ण का असर दो माह लेने के बाद से दिखने लगेगा। जिंदगी निरोग,आनंददायक, चिंता रहित स्फूर्ति दायक और आयुष्यवर्धक बनेगी। जीवन जीने योग्य बनेगा।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

कृपया ध्यान दें:

कुछ लोग कलौंजी को काली जीरी समझ रहे है जो कि गलत है काली जीरी अलग होती है जो आपको पंसारी या आयुर्वेद की दुकान से मिल जाएगी, यह स्वाद में हल्की कड़वी होती है, नीचे जो फोटो है वो कालीजीरी का है, जिसका नाम अलग-अलग भाषाओं में कुछ इस तरह से है।

हिन्दी कालीजीरी, करजीरा।
संस्कृत अरण्यजीरक, कटुजीरक, बृहस्पती।
मराठी कडूकारेलें, कडूजीरें।
गुजराती कडबुंजीरू, कालीजीरी।
बंगाली बनजीरा।
अंग्रेजी पर्पल फ्लीबेन

कालीजीरी: कालीजीरी को आयुर्वेद में सोमराजि, सोमराज, वनजीरक, तिक्तजीरक, अरण्यजीरक, कृष्णफल आदि नाम से जानते हैं। हिंदी भाषा में इसे कालीजीरी, बाकची और बंगाल में सोमराजी कहते हैं। कालीजीरी किसी भी तरह के जीरे से अलग है। इंग्लिश में इसे पर्पल फ़्लीबेन कहते हैं पर यह कलोंजी Nigella sativa से बिल्कुल भिन्न है। कलोंजी को भी इंग्लिश में ब्लैक क्यूमिन ही कहते है। इसी प्रकार बाकची, या सोमराजी एक और पौधे के बीज को, सोरेला कोरीलिफोलिया को कहते हैं। आयुर्वेद के बहुत से विशेषज्ञ सोरेला कोरीलिफोलिया को ही बावची या सोमराजी मानते हैं पर बंगाल में कालीजीरी को सोमराजी नाम से जानते और प्रयोग करते हैं। कालीजीरी स्वाद में कड़वा और तेज गंद्ध वाला होता है, इसलिए इसे किसी भी तरह के भोजन बनाने में प्रयोग नहीं किया जाता। इसको केवल एक दवा की तरह ही प्रयोग किया जाता है। लैटिन में इसका नाम, सेंट्राथरम ऐनथेलमिंटिकम या वरनोनिया ऐनथेलमिंटिकम है। इसके वैज्ञानिक नाम में 'ऐनथेलमिंटिकम' इसके प्रमुख आयुर्वेदिक प्रयोग को बताता है। ऐनथेलमिंटिकम का मतलब है, शरीर से परजीवियों को नष्ट करने वाला। आयुर्वेद में इसे कृमिनाशक की तरह प्रयोग किया जाता है। इसका सेवन और बाह्य प्रयोग चर्म रोगों के इलाज, जैसे की श्वित्र सफेद दाग, खुजली, एक्जिमा, आदि। इसे सांप या बिच्छु के काटे पर भी लगाते हैं। कालीजीरी का क्षुप, पूरे देश में परती जमीन पर पाया जाता है। इसके पत्ते शल्याकृति किनारेदार होते हैं। बारिश के मौसम के बाद इसमें मंजरी निकलती है। जिसमे काले बीज आते है। काली जीरी आकार में छोटी और स्वाद में तेज, तीखी होती है। इसका फल कडुवा होता है। यह पौष्टिक एवं उष्ण वीर्य होता है। यह कफ, वात को नष्ट करती है और मन व मस्तिष्क को उत्तेजित करती है। इसके प्रयोग से पेट के कीड़े नष्ट होते हैं और खून साफ होता है। त्वचा की खुजली और उल्टी में भी इसका प्रयोग लाभप्रद होता है। यह त्वचा के रोगों को दूर करता है, पेशाब को लाता है एवं गर्भाशय को साफ व स्वस्थ बनाता है। यह सफेद दाग (कुष्ठ) को दूर करने वाली, घाव और बुखार को नष्ट करने वाली होती है। सांप या अन्य विषैले जीव के डंक लगने पर भी इसका प्रयोग लाभकारी होता है।

कालीजीरी के 13 फायदे

यह कृमिनाशक और विरेचक है। यह गर्म तासीर के कारण श्वास, कफ रोगों को दूर करती है। मूत्रल होने के कारण यह मूत्राशय, की दिक्कतों और ब्लड प्रेशर को कम करती है। यह हिचकी को दूर करती है। यह एंटीसेप्टिक है चमड़ी की बिमारियों जैसे की खुजली, सूजन, घाव, सफेद रोग, आदि सभी में बाह्य रूप से लगाई जाती है। जंतुघ्न होने के कारण शरीर के सभी प्रकार के परजीवियों को दूर करती है। काली जीरी को चमड़ी के रोगों में नीम के काढ़े के साथ मालिश या खादिर के काढ़े के आंतरिक प्रयोग के साथ करना चाहिए। भयंकर चमड़ी रोगों में, काली जीरी + काले तिल बराबर की मात्रा में लेकर, पीस कर 4 ग्राम की मात्रा में सुबह, एक्सरसाइज की बाद पसीना आना पर लेना चाहिए। ऐसा साल भर करना चाहिए। श्वेत कुष्ठ जिसे सफेद दागभी कहते है, उसमे चार भाग काले जीरी और एक भाग हरताल को गोमूत्र में पीसकर प्रभावित स्थान पर लगाना चाहिए। इसी को काले तिलों के साथ खाने को भी कहा गया है। (भैषज्य रत्नावली) पाइल्स या बवासीर में, 5 ग्राम कालाजीरालेकर उसमे से आधा भून कर और आधा कच्चा पीसकर, पाउडर बनाकर तीन हस्से कर के दिन में तीन बार खाने से दोनों तरह की बवासीर खूनी और बादी में लाभ होता है। पेट के कीड़ों में इसके तीन ग्राम पाउडर को अरंडी के तेल के साथ लेना चाहिए। खुजली में, सोमराजी + कासमर्द + पंवाड़ के बीज + हल्दी + दारुहल्दी + सेंधा नमक को बराबर मात्रा में मिलकर, कांजी में पीसकर लेप लगाने से कंडू, कच्छु (खुजली) आदि दूर होते हैं। कुष्ठ में, कालीजीरी + वायविडंग + सेंधानमक + सरसों + करंज + हल्दी को गोमूत्र में पीस कर लगना चाहिए।

कालीजीरी के सेवन की मात्रा :

इसको 1-3 ग्राम की मात्रा में लें। इससे अधिक मात्रा प्रयोग न करें।

आवश्यक सावधानियां:

कृमिनाशक की तरह प्रयोग करते समय किसी विरेचक का प्रयोग करना चाहिए।

कालीजीरी के प्रयोग में सावधानियां

यह बहुत उष्ण-उग्र दवा है।
गर्भावस्था में इसे प्रयोग न करें।
यह वमनकारक है।
अधिक मात्रा में इसका सेवन आँतों को नुकसान पहुंचाता है।
यदि इसके प्रयोग के बाद साइड इफेक्ट हों तो गाय का दूध / ताजे आंवले का रस / आंवले का मुरब्बा खाना चाहिए।

ओलंपिक में 100 मीटर हर्डल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय बनीं ज्योति याराजी

मुंबई. शाबाश इंडिया। भारत की सबसे तेज हर्डलर ज्योति याराजी ने पेरिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर हर्डल्स के लिए क्वालीफाई करके इतिहास रच दिया है। रिलायंस फाउंडेशन की स्टार एथलीट ज्योति याराजी इस स्पर्धा में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला हैं। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष, श्रीमती नीता एम. अंबानी ने कहा, ''हम रिलायंस फाउंडेशन एथलीट ज्योति याराजी पर गर्व करते हैं, जिन्होंने ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर हर्डल्स के लिए क्वालीफाई किया है। ज्योति की यात्रा उनके समर्पण और उनकी यह अद्वितीय उपलब्धि सपनों और कठोर मेहनत की शक्ति का प्रमाण है। वह भारत की युवा पीढ़ी की भावना, प्रतिभा और सहनशीलता को दर्शाती हैं।'' ज्योति, जो इस स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं, ने पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं की 100 मीटर हर्डल्स में रजत पदक जीता था। वह 13वें अंक से नीचे पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय महिला हैं और इस श्रेणी में किसी भारतीय द्वारा अब तक 15 सबसे तेज दौड़ लगाने का रिकॉर्ड बना चुकी हैं। ज्योति का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 12.78 सेकंड है, जिसे उन्होंने इस साल फिनलैंड के मोटोनट जीपी में हासिल किया था। हाल ही में, उन्होंने सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। ज्योति याराजी की इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय महिलाओं के लिए एक नई राह खोली है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय एथलीटों की बढ़ती उपस्थिति को भी उजागर किया है।

लायंस क्लब मंगरोप शताब्दी का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न

लॉयन सुभाष दुदानी अध्यक्ष, लॉयन राजेश पाटनी सचिव बने

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर के एक रिसॉर्ट में लायंस क्लब मंगरोप शताब्दी का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ। प्रारम्भ में दीप प्रज्वलन कर ध्वज वंदना एवं विश्व शांति के लिए 2 मिनट मौन रखा। क्लब के सचिव स्वाति सोढानी ने दो वर्ष में की गई गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शपथ अधिकारी लॉयन मनिंदर सिंह चंडोक द्वारा अध्यक्ष- सुभाष दुदानी, सचिव- राजेश पाटनी, कोषाध्यक्ष- के.सी. अजमेरा उपाध्यक्ष- आर.एस. राठी, अपेक्षा अजमेरा, क्लब प्रशासक- सुरेंद्र जैन, लायन टेमर-नरेश सेठी, टेल ट्विस्टर- रेखा लढा, चेयरमैन मार्केटिंग-कविता शर्मा, चेयरमैन मेंबरशिप- अनिल छाजेड़, चेयरमैन सोशल सर्विस- स्वाति सोढानी, पी.आर.ओ पवन अग्रवाल को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई एवं इनका सम्मान किया। मनिंदर चंडोक ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े सेवा संगठन का पदाधिकारी होना गर्व की बात होती है। समाज सेवा करने का यह महत्वपूर्ण संगठन है। नव अध्यक्ष सुभाष दुदानी ने कहा कि इस वर्ष जीव दया पर्यावरण पर विशेष कार्य किया जाएगा। रीजन चेयरमैन राकेश पगारिया नया लियो क्लब के सदस्यों का स्वागत कर अन्धतानिवारण में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। उपप्रांतपाल निशांत जैन ने बताया कि लायंस क्लब में समाज सेवा, चिकित्सा, शिक्षा, नई टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्य करते लीडरशिप सीखने का इस मंच पर सुअवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सी.पी. गोस्वामी ने कहा कि लायंस क्लब द्वारा 5हजार से अधिक निशुल्क आंखों के ऑपरेशन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही ब्रेस्ट कैंसर वेन सेवा के लिए भीलवाड़ा में आएगी। जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने भी लाइंस क्लब शताब्दी की सदस्यता ग्रहण की। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मल्टीपल चेयरमैन लायंस संजय भंडारी ने कहा कि हमें सेवा मुस्कुराहट के साथ करना चाहिए। उन्होंने अच्छे सेवा कार्य करने वाले सदस्यों को लॉयन पिन, लॉयन छाता, लॉयन जैकेट, डायबिटीज उपकरण आदि प्रदान किये।

बालिका छात्रावास सांगानेर जयपुर में गणिनी गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी का हुआ मंगल उद्बोधन

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सुबह संघी जी मंदिर सांगानेर से विहार कर बालिका छात्रावास वीरोदय नगर पहुंची। माताजी की अगवानी में बालक एवं बालिका छात्रावास के छात्रों ने अहं भूमिका निभाई। बालिकाओं ने गाजे-बाजे के साथ माताजी की अगवानी की। जयकारों की स्वर से वातावरण गूंजायमान हो गया। श्रमण संस्कृति संस्थान के पदाधिकारी गण प्राचार्य अरुण जैन,मंत्री सुरेश कासलीवाल, पंडित जयकुमार जी शास्त्री एवं अध्यापक शीतल जैन,अधिष्ठाता शीला डोड्या एवं निर्देशिका वंदना जैन ने माताजी के चरण प्रक्षालन करने का सौभाग्य प्राप्त किया। छात्रावास का अवलोकन करते हुए माताजी ने अपने बाल्यावस्था में महावीर जी के छात्रावास में पढ़ाई करने का प्रसंग सुनाया। बालिकाओं के लिए उद्बोधन देते हुए माताजी ने कहा कि संयम,मयार्दा,अनुशासन का होना अपने जीवन में अत्यंत अनिवार्य है। लाइन ऑफ कंट्रोल का सूत्र अपने जीवन में अपनाने से जीवन सुसंस्कार मय बन जाता है। बालिकाओं के लिए सूत्र रूप से जीवन जीने की कला बताते हुए माताजी ने कहा कि पहला चरण कितना भी कष्ट आए पीछे मुड़कर नहीं देखना,अपने जीवन में व्हील पावर के साथ पीसफुल माइंड से जीना,गलत संगतियों से दूर रहना एवं लक्ष्य की ओर सतत प्रयास करना,भेदभाव रहित निरपेक्ष बुद्धि से जीवन यापन करना एक आदर्श मानव बनने का अहं सूत्र यही है। यही उपदेश अपने जीवन में उतरने से मानव ऊंचाइयों को छू लेता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ का पदमपुरा में हुआ चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

शनिवार 20 जुलाई को होगी मंगल कलश स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में चातुर्मास के निमित्त परम पूज्य मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ (6 पिच्छीका) का मंगलवार को भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन दौसा वाले एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने बताया कि पूज्य मुनि श्री ने बाड़े वाले बाबा श्री पद्मप्रभ भगवान सहित समस्त मंदिरों और वेदियों की वंदना की। तत्पश्चात धर्मसभा का आयोजन किया गया। पूज्य मुनि श्री महिमा सागर जी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुनियों की चर्या में सभी श्रावकों को सहभागी बनना चाहिए। एवं आहार दान देकर के अपने मानव जन्म को सफल करना

चाहिए। क्षेत्र के मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने संबोधित करते हुए आचार्य परंपरा पर विशेष प्रकाश डाला। क्षेत्र प्रबंध समिति एवं समस्त ग्राम वासियों के द्वारा पूज्य मुनि श्री को क्षेत्र में चातुर्मास करने का विशेष निवेदन करते हुए श्रीफल भेंट किया गया। प्रचार प्रसार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इससे पूर्व मुनि संघ बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर से मंगल विहार कर शिवदासपुरा दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए पदमपुरा रोड पर स्थित पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय पहुचे जहा गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मुख्य ट्रस्टी नरेश मेहता एवं क्षेत्र कमेटी ने भव्य अगवानी की। चिकित्सालय से बैण्ड बाजों के साथ भव्य जुलूस रवाना होकर मुख्य मंदिर के द्वार पर पहुचा जहां क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी के नेतृत्व में मुनि संघ का पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। इस मौके पर क्षेत्र प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, उपाध्यक्ष सुरेश काला, मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी, कोषाध्यक्ष राजकुमार कोठयारी, नेमीचंद गंगवाल, जे एम जैन, राजकुमार सेठी, योगेश टोडरका, संतोष रावका, नरेंद्र पांड्या, सहित क्षेत्र प्रबंध समिति सदस्य गण एवं समस्त जैन समाज पदमपुरा सहित भारी संख्या में भक्त गण मौजूद थे । धर्म सभा का संचालन क्षेत्र के प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी पंडित अनिल शास्त्री ने किया। क्षेत्र प्रबंध समिति के मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी ने बताया कि पूज्य मुनि संघ का वर्ष 2024 का मंगलमय चातुर्मास श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में संपन्न होगा। चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का कार्यक्रम 20 जुलाई 2024 दोपहर 2:15 बजे रखा गया है।

मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ का पदमपुरा के पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

मुनि संघ ने की गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट की गतिविधियों की प्रशंसा

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध दिगम्बर जैन मुनि 108 श्री महिमा सागर महाराज ससंघ (6 पिच्छीका) का मंगलवार को बाडा पदमपुरा के पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी डॉ नरेश मेहता ने बताया कि मुनि श्री ससंघ शिवदासपुरा दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए प्रातः 9.00 बजे पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय परिसर में पहुचे जहां ट्रस्ट की ओर से आरती कर मुनि संघ की भावभीनी अगवानी की गई। तत्पश्चात नरेश मेहता एवं अन्य गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने श्री फल भेट कर एवं मुनि श्री के पाद पक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर मुनि संघ ने हास्पिटल का अवलोकन कर गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट एवं डॉ नरेश मेहता द्वारा किये जा रहे मानव सेवार्थ कार्यों एवं गतिविधियों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा श्री मेहता को आशीर्वाद प्रदान किया। मेहता ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा पदम ज्योति नेत्र चिकित्सालय के माध्यम से अब तक 57 हजार लैंस प्रत्यारोपण निःशुल्क किए जा चुके हैं। प्रतिदिन आंखों का निःशुल्क आउटडोर संचालित किया जा रहा है। माह के तीसरे शनिवार को नैत्र रोगियों की भर्ती की जाकर रविवार को आंखों का आपरेशन एवं लैंस प्रत्यारोपण किया जाता है। ट्रस्ट द्वारा रोगी व परिजनों के लिए आवास, अल्पाहार, भोजन, दवाईयां,

लैंस, चश्मा इत्यादि सभी निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है। सदस्य विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा श्रीराम की नांगल में वृद्धाश्रम का संचालन किया जा रहा है। साथ ही निर्धन छात्र - छात्राओं के लिए छात्र वृति, पुस्तकें, यूनिफार्म, जरुरत मंद एवं निर्धन परिवारों के लिए राशन की व्यवस्था, सर्दी से बचाव के लिए कम्बल, शीतल जल की फुहारों प्याऊ लगाना, वाटर कूलर लगाना, दिव्यांग भाईयों के लिए जयपुर फुट एवं ट्राई साईकिल उपलब्ध करवाना, बाढ पीड़ित, अकाल, तूफान आदि पीडित परिवारों की मदद करना, गौ सेवा, वृक्षारोपण सहित गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मानव सेवार्थ एवं समाज हित में कई गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। मेहता ने बताया कि गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी के सानिध्य में सन 2022 के चातुर्मास में दिव्यांगों को ट्राई साईकिल वितरण कार्यक्रम किया गया था। इसी प्रकार से इस वर्ष भी मुनि श्री महिमा सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में वृहद आयोजन करने की श्री मेहता ने घोषणा की। जिसका उपस्थित महानुभावों ने तालियां बजा कर स्वागत किया। मेहता ने बताया कि प्रातः 9.30 बजे मुनि संघ बैण्ड बाजों के साथ जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर के लिए रवाना हो गया। इस मौके पर अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के अध्यक्ष सुधीर जैन, मानद् मंत्री एडवोकेट हेमंत सोगानी, जे एम जैन, सुरेश काला, राज कुमार सेठी, सुभाष पाटनी, पदम पाटनी, मनोज सोनी सहित महिला मण्डल पदमपुरा की सदस्याओं ने सहभागिता निभाई।

जंगलों/पर्यावरण की साफ सफाई के लिए जनता को किया जागरूक

जयपुर. शाबाश इंडिया। आर्ट ऑफ लिविंग 8 स्टेप स्टूडियो सी स्कीम जयपुर चैप्टर ने ट्रैकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के तहत 150 से भी ज्यादा शहरवासियों ने गड़ गणेश से लेकर नाहरगढ़ की पहाड़ियों तक के जंगलों में साफ सफाई अभियान चलाया । कार्यक्रम के दौरान अंशुल भगतानी ने अपने भजनों से सभी का मन मोह लिया। आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षक आशीष गुप्ता और स्वयंसेवक मानसी पारीक और समर गुर्जर ने बताया कि ट्रेकिंग के माध्यम से आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर परिवार ने जंगलों और पर्यावरण की सफाई के लिए जागरूकता फैलाई और संदेश दिया कि आमजन जंगलों में कचरा ना फैलाएं एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं।

मरीजों को फल और भोजन किया वितरित

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ का मिल्स ऑन व्हील्स प्रोजेक्ट

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा मिल्स ऑन व्हील्स प्रोजेक्ट के तहत काउन्टर लगाकर मरीजों को फल और भोजन वितरित किया गया। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी और सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा जनहितार्थ अपने मिल्स ऑन व्हील्स प्रोजेक्ट के तहत भारत विकास परिषद हॉस्पिटल के बाहर ठेला काउन्टर लगाया गया जिसमें हॉस्पिटल में आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को फल और भोजन वितरित किया। क्लब द्वारा पाँच हजार रुपये की खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई जिसमें 200 व्यक्तियों ने लाभ उठाया जिनमें अधिकतर लाभार्थी कोटा से बाहर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले थे जो गरीब और मजदूर वर्ग से थे क्लब इसी प्रकार हर माह गरीबों के लिये किचन काउन्टर लगायेगा। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी, सचिव डॉ विजेता गुप्ता, रेनू लालपुरिया, प्रमिला जी, सरोज कालिया, शशि झंवर, गुरुप्रित आनन्द इत्यादि ने सभी को प्रेम पूर्वक भोजन करवाया।

राजस्थान ब्यूटी कार्निवल: परम्परा और आधुनिकता का संगम दिखेगा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संस्कृति विद्या संवर्धनम संस्थान की ओर से लेकसिटी में राजस्थान ब्यूटी कार्निवल के रूप में मेवाड़ नारी शक्ति जागरण पखवाड़े के तहत 20 जुलाई से आरंभ होगा। फाउंडर डायरेक्टर संस्कृति मेहरा ने प्रेसवार्ता में बताया कि मेवाड़ी संस्कृति को बढ़ावा देने, पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों के प्रति संवेदनशीलता जीवित रखने, प्रकृति, पर्यावरण, विरासत व संरक्षण को बढ़ावा देने, महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वावलम्बन कौशल का प्रशिक्षण देने तथा युवतियों को न्यू स्टार्टअप से जोड़ने के प्रयोजन से एक पखवाड़े तक नारी सशक्तिकरण के साथ ही संस्कृति संवर्धन पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। संस्कृति ने बताया कि इस दौरान वृक्षारोपण, स्वास्थ्य कार्यशाला, ध्यान एवं योग कार्यक्रम, दुल्हन सज्जा प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता के साथ आधुनिक सौंदर्य तकनीक प्रशिक्षण के माध्यम से राजस्थान की महिलाओं को एक उचित मंच मिलेगा। इसके अलावा महिलाओं और युवतियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए अवार्ड सेरेमनी में सेलेब्रिटी गेस्ट सारा खान को आमंत्रित किया गया है। इस पखवाड़े में छोटे शहरों की महिला उद्यमियों और शिक्षार्थियों के लिए संभाग के महिला संगठनों व संस्थाओं को प्रोत्साहित कर कौशल पूर्ण बनाया जाएगा। इसमें राजसमंद, चित्तौड़, डूंगरपुर ,बांसवाड़ा, सागवाड़ा, जयपुर, चूरू, माउंट आबू, सहित उदयपुर जिले की महिलाएं भागीदारी निभाएंगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से उभरती फैशन डिजाइनरों को नई 3डी तकनीक में फैशन कोर्स सीखने का मौका तथा फैशन शो के जरिये युवा प्रतिभाओं और बच्चों को मंच मिलेगा। कार्यक्रम का समापन हिरणमगरी सेक्टर 5 स्थित अटल सभागार में होगा। प्रेस कांफ्रेंस में मिसेज राजसमंद-पूजा गर्ग, स्टेज आर्टिस्ट-लेखा साहू, रेखा जैन, सीमा लोहार, रेणुका उपाध्याय, काजल कमलानी, दुल्हन प्रतियोगिता निर्णायक- शीतल गर्ग व पूनम शर्मा, कार्यक्रम सहयोगी-वंदना सुथार, संस्कृति लोहार, वंदना हाड़ा तथा मेकअप आर्टिस्ट-कुसुम व खुशी उपस्थित रहे।

रिपोर्ट/ फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

आगरा की धारा पर हुआ आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यानंद जी महाराज के शिष्य अभीक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज ससंघ का 9 जुलाई को प्रातःकाल की बेला में आगरा की पावनधरा पर भव्य मंगल प्रवेश हुओमंगल प्रवेश के बाद अचार्यसंघ श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रांसयमुना कॉलोनी पहुंचे जहां ट्रांसयमुना कॉलोनी वासियों ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य स्वागत कियो मन्दिर में हुए आगमन के बाद आचार्यसंघ ने सभी प्रतिमाओं के दर्शन किए। इसके साथ ही आचार्यश्री ने धर्मसभा के माध्यम से भक्तों को जैन धर्म के संस्कारों पर चलने का महत्व बतायो धर्मसभा का मंगलाचरण इंदौर से पधारे मयूर जैन ने किया एवं सौम्या जैन ने भजन प्रस्तुत कियोइस दौरान ट्रांसयमुना कॉलोनी सकल जैन समाज ने आचार्यसंघ के समक्ष श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर ट्रांसयमुना कॉलोनी जैन समाज ने अचार्य संघ के साथ नोएडा से मंगल विहार में चल रहे फिरोजाबाद की सकल जैन समाज का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत सम्मान कियोधर्मसभा का संचालन महामंत्री कुमार मंगलम जैन ने किया।और साय 5:00 बजे आगरा से अचार्य संघ का मंगल विहार शौरीपुर बटेश्वर की ओर हुओआपको बता दें कि आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज ससंघ का मंगल विहार फिरोजाबाद नगरी मंगल चातुर्मास 2024 हेतु चल रहा है।

अहंकार नहीं आत्मोन्नति करो : मुनी ऊर्जयंत सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य 108 विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य पूज्य मुनि उपाध्याय 108 ऊर्जयंत सागर महाराज का मंगल प्रवेश तिलक नगर जयपुर में हुआ जहां उनकी भव्य अगवानी की गई। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने भगवान महावीर व जैन धर्म की जय के नारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। तिलक नगर जैन मंदिर में हुई धर्म सभा में अपने प्रवचन में महाराज श्री ने कहा कि इंसान को अहंकार नहीं बल्कि आत्मोन्नती करनी चाहिए। हमारा वचन व कर्म ही नहीं मन भी शुद्ध होना चाहिए,हम जैसा दूसरों को देते हैं वही लौटकर हमारे पास आता है इसलिए हमें तेरी मेरी की भावना छोड़कर दूसरों का भला करना चाहिए इसी में मानव का कल्याण है।